जल जन जोड़ो अभियान JAL JAN JODO ABHIYAAN

तरुण भारत संघ **TARUN BHARAT SANGH**

भीकमपुरा किशोरी, थानागाजी, अलवर, राजस्थान Bheekampura Kishori, Thanagazi, Alwar, Rajasthan

Email: jalpurushtbs@gmail.com / mauliksisodia@gmail.com **Mobile:** 09414019456 / 09414066765/ 09829217788

राष्ट्रीय रणनीति निर्धारण कार्यशाला निमन्त्रण पत्र

दिनांकः– 18,19 अप्रैल 2013 **स्थानः– गाँधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली**

पूरे देश में प्राकृतिक जल संरक्षण संरचनाओं का ह्रास बहुत तेजी से हो रहा है। इन संरचनाओं के अस्तित्व के ऊपर स्वार्थी मानवीय स्वभाव एवं कुनीतियों के कारण संकट बढ़ता जा रहा है। इन संरचनाओं के ऊपर हो रहे अतिक्रमण के प्रभावों के परिणामस्वरूप जल संकट और सूखे की भयावकता में लगातार वृद्धि हो रही है, परिणामस्वरूप जलवायु संकट का प्रतिकूल प्रभाव समाज के निर्धनतम वर्ग पर देखने को मिल रहा है। वही आधुनिक जीवनशैली और मानवीय स्वार्थ ने आबादी के बहुत बड़े हिस्से को इन प्राकृतिक जल संरक्षण संरचनाओं के संरक्षण से दूर कर दिया है

कुछ दशक पहले तक इन संरचनाओं के ऊपर आबादी के बहुत बड़े हिस्से की निर्भरता रही है। लोग इन संरचनाओं को जीवनदायिनी मानते थे, लेकिन आधुनिक विकास और जनविरोधी नीतियों एवं आधुनिक जीवन पद्धति के परिणामस्वरूप समुदाय में लगातार उदासीनता बढ़ती जा रही है। स्वार्थी लोग इन संरचनाओं के अस्तित्व को बिगाड़ कर अपने निजी स्वार्थ की पूर्ति में लगे हुये है वही दूसरी तरफ शासकीय नीतियों के कियान्वयन में व्यवस्था की उदासीनता के चलते नीतियों का सही तरह से कियान्वयन नही हो पा रहा है। आने वाले भविष्य में हम सब के लिए यह घातक है।

प्राकृतिक जल संरक्षण संरचनाओं के ह्रास के कारण आबादी के बहुत बड़े हिस्से के सामने आजीविका का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण गाँव से लोग शहरो की तरफ पलायन करने के लिए विवश हो रहे है। लेकिन शहर भी उन्हें शुद्ध पेयजल और स्वच्छता की व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं।

वर्तमान स्तिथी को देखते हुए, एक राष्ट्रव्यापि अभीयान की आवश्यकता महसूस हो रही है, जो जन को जल के साथ जोड़ सके। प्रकृति से प्यार करने वाले सभी इस अभीयान के सदस्य होगें। जिन्होनें इस प्रकार के कार्यो में जीवन लगाया है, वे निर्णय प्रकिया को समता–सादगी से सहयोगात्मक नेतृत्व प्रदान करेगें।

"लोगो की जीविका पर जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव रोकने हेतू जल संरक्षण के परम्परागत हक दिलाने, अन्न और जल की जरूरत पूरी करने के साधन जुटाने वाले कार्यो को सृजित करने, भारत भर के शुष्क, अर्धशुष्क एवम् बाढ ग्रस्त क्षेत्रों को बाढ–सुखाउ मुक्ति की चेतना जगाने, समझदार, सामुदायिक संघठन खड़े करके जल, जगंल और जमीन का सामुदायिक विकेन्द्रित निर्माण और प्रबन्धन कार्य करेगें।"

दुनिया भर के समाजिक कार्यकर्ता, दलगत राजनैतिक मुक्त इच्छूक राजनेता, सरकारी अधिकारी, गैर सरकारी संघठन, दान–दाता और व्यक्ति इस अभियान के सदस्य होगें। ये सदस्य जितना इस प्रकिया में समय, शक्ति और साधन लगाऐंगे उतना ही इस अभियान की निर्णय प्रकिया में भागीदार बन सकेंगे। इस प्रकिया को लेन–देन, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, कार्मिक, वैद्रिक सभी को समान रूप से सम्मान दिया जायेगा। क्योंकि यह प्रकिया समता मूलक शोषण मुक्त समाज निर्माण की है। इसलिए निर्माण कर्त्ताओं का जीवन मूल्य और कार्य व्यवहार समता का सम्मान करने वाला होगा, उसी को इस प्रकिया में वैसा ही स्थान और अवसर प्राप्त होगा।

धर्म–जाति मुक्त सभी को बराबरी से सम्मान देने वाली यह प्रकिया निशक्त–निसहाय, जीवन के लिऐ संघर्षरतों को विशेष निर्णय प्रकिया में अधिक अवसर प्रदान करने की व्यवस्था बनायेगी।

तरुण भारत संघ
भीकमपुरा किशोरी, थानागाजी, अलवर, राजस्थान
Email: jalpurushtbs@gmail.com / mauliksisodia@gmail.com

TARUN BHARAT SANGH
Bheekampura Kishori, Thanagazi, Alwar, Rajasthan
Mobile: 09414019456 / 09414066765/ 09829217788

'जल जन जोड़ो' प्रकिया है। इसे शुरु करने के लिए चेतना जगाने वाले काम को अभियान कहा है। क्योंकि आरम्भ अभियान की तरह से होगा।

पहला चरण शिक्षण है। (जल साक्षरता) अभियान

दुसरा चरण निर्माण होगा। (भूसांस्कृतिक जल विविधता का सम्मान करते हुऐ जल संरक्षण और उत्तम उपयोग को बढ़ावा देने वाले प्रेरक प्रयोग क्षेत्र बनाना।।)

तीसरा चरण जल कर्तव्य और अधिकार को अनुशाषित करने हेतू ऐडवोकेसी (अधिकार और कर्तव्य) की व्यवस्था बनाने वाली नीति और कानून निर्माण है।

चोथा चरण नीति–नियम को पालना कराने वाला (सत्याग्रह) होगा।

पांचवा जल संघठन को समतामूल्याधारित बनाये रखने वाला स्थाईत्व प्रदान का कार्यक्रम होगा।

यह प्रकिया परिवर्तन कराने वाली है। परिवर्तन की 'सतत्' प्रकिया होती है। इसलिए सदैव–स्थाई रूप से चलती रहेगी। हम सभी इस का शुभारम्भ करने हेतु 18–19 अप्रेल को दिल्ली में मिल रहे हैं। आप को निमन्त्रण है। इस परिवर्तन कार्य प्रकिया का हिस्सा 'जल जन जोड़ो' के नाम से शुरूआत करने में विश्वास और सहयोग प्रदान करना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि आप इस अवसर पर जरुर पधारेंगे।

आपका

(राजेन्द्र सिंह)

तरुण भारत संघ

जल जन जोड़ो अभियान